## महत्वपूर्ण एवं खास

### प्री मानसून:रायपुर सूखा तो वही बिलासपुर में झमाझम बारिश

**रायपुर (आरएनएस)।** छत्तीसगढ़ में मानसून इस बार पहले ही 1 हसे लेट आई उसके बावजूद भी राजधानी में में इसका कोई असर नहीं दिख रहा है, राजधानी रायपुर के अलावा बाकि क्षेत्रो में झमाझम बारिश हुई मौसम विभाग के द्वारा जारी अलर्ट के अनुसार रायगढ़, जांजगीर, बिलासपुर, मुंगेली, कबीरधाम, बेमेतरा, बलौदा बाजार, महासमुंद, गरियाबंद सहित कई क्षेत्रों में गरज चमक के साथ बारिश के चेतावनी दी गई है. छत्तीसगढ़ में कल सबसे ज्यादा बारिश पेंड्रा रोड 7 सेमी और सबसे काम सहसपुर, लोहरा में 1-1 में सेमी बारिश दर्ज की गई. मौसम विज्ञानी डा.एचपी चंद्रा के मुताबिक एक पूर्व-पश्चिम द्रोणिका उत्तर-पश्चिम उत्तर प्रदेश से असम तक स्थित है। एक उत्तर-दक्षिण द्रोणिका दक्षिण बिहार से दक्षिण तटीय आंध्र प्रदेश तक स्थित है। इसके कारण छत्तीसगढ़ के मौसम में भी बदलाव हुआ है। वर्षा का सिलसिला अभी आने वाले दिनों में बने रहने की संभावना है।

### सप्ताह में तीन दिन आमजन के लिए संचालित होगा व्हेवपूल

**कोरबा।** नगर पालिक निगम कोरबा के विवेकानंद उद्यान में स्थित व्हेवपूल सप्ताह के 03 दिन मंगलवार, शुक्रवार एवं रविवार को संचालित होगा, सप्ताह के इन दिनों में आमजन उक्त व्हेवपूल का उपयोग कर सकेंगे। निगम के सहायक अभियंता विपिन मिश्रा ने बताया कि जनसामान्य के मनोरंजन, उपयोग एवं कृत्रिम समुद्री लहरों का आनंद उठाने हेतु सी.एस.ई.बी.चौक के समीप स्थित विवेकानंद उद्यान अप्पू गार्डन में स्थापित व्हेवपूल उक्त तिथियों में सप्ताह में 03 दिन संचालित होगा।

### धरमजयगढ़ क्षेत्र लौटा हाथियों का दल

**कोरबा।** वनमंडल कोरबा के करतला परिक्षेत्र के कल्गामार व तराईमार में अचानक पहुंचे 22 हाथियों का दल बीती रात वापस अपना मूवमेंट कर धरमजयगढ़ क्षेत्र लौट गया है। हाथियों के इस दल ने क्षेत्र में पहुंचते ही उत्पात मचाना शुरू कर दिया था। तराईमार में अमरैया बाड़ी में प्रवेश कर वहां लगे आम के पौधों को तहस.नहस कर दिया था। हाथियों के अचानक पहुंचने और उत्पात मचाए जाने से क्षेत्र के ग्रामीण दहशत आ गए थे। कल दिन भर हाथियों ने अमरैया बाड़ी में डेरा डालने के बाद शाम होते ही आगे का रूख किया और जंगल ही जंगल विचरण करते हुए धरमजयगढ़ क्षेत्र पहुंच गया। हाथियों के धरमजयगढ़ जाने से वन विभाग के साथ.साथ ग्रामीणों ने राहत की सांस ली है। इससे पहले भी इस दल ने कुदमुरा परिक्षेत्र में अपनी सक्रियता दिखाई थी। यहां के जंगलों में विचरण करने तथा लगभग एक सप्ताह तक डेरा डालने के बाद करतला वन परिक्षेत्र पहुंच गया था। उधर कटघोरा वनमंडल के एतमानगरए केंदई व पसान क्षेत्र में भी हाथियों की लंबे समय से उपस्थिति बनी हुई है। हाथियों द्वारा समय. समय पर यहां ग्रामीणों के मकान को उत्पात मचाकर तोड़ा जा रहा है। जिससे ग्रामीण काफी भयभीत हैं। हाथियों की उपस्थिति से वन विभाग के अधिकारियों कर्मचारियों के अलावा ग्रामीण भी हलाकान हैं।

### आकाशीय बिजली की चपेट में आने से दो दर्जन से अधिक बकरियों की मौत

**बालोद (आरएनएस)।** छत्तीसगढ़ के बालोद जिले में आकाशीय बिजली की चपेट में आने से पेड़ के नीचे खड़ी 28 बकरियों की एक साथ मौत हो गई, वहीं चरवाहा बाल-बाल बच गया. मौके पर पहुंचे नगर पंचायत के जनप्रतिनिधि और पटवारी ने प्रकरण तैयार कर मालिक को मुआवजा दिलाने का आश्वासन दिया है। मिली जानकारी के अनुसार घटना डौंडीलोहारा के टिकरापारा की है. बरसात की वजह से चरवाहा बकरियों के साथ पीपल पेड़ के नीचे खड़ा हुआ था. इसी दौरान आकाशीय बिजली गिरी, और सारी बकरियों को अपनी चपेट में ले लिया. घटना में 28 बकरियों की मौके पर ही मौत हो गई. वहीं पेड़ के दूसरी ओर खड़ा चरवाहा बाल-बाल बच गया।

# रूरल इंडस्ट्रियल पार्क से साकार होगा बापू के ग्राम स्वराज और स्वावलंबी गांव का सपना - मुख्यमंत्री भूपेश बघेल

- मुख्यमंत्री ने गोधन न्याय योजना के तहत पशुपालक ग्रामीणों, गौठानों के महिला समूहों और गौठान समितियों को किया 10.90 करोड़ रुपए का भुगतान
- मुख्यमंत्री ने किसानों और ग्रामीणों से रोका-छेका अभियान में सहयोग का किया आव्हान

**रायपुर (आरएनएस)।** मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने कहा है कि गौठानों को रूरल इंडस्ट्रियल पार्क के रूप में विकसित करने के लिए वहां और अधिक आर्थिक गतिविधियां संचालित करने की आवश्यकता है। इससे ग्रामीण स्वावलंबन की राह में आगे बढ़ेंगे और राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के ग्राम स्वराज और स्वावलंबी गांवों को सपना साकार होगा।

मुख्यमंत्री भूपेश बघेल आज यहां अपने निवास कार्यालय में गोधन न्याय योजना के तहत पशुपालक ग्रामीणों, गौठानों से जुड़ी महिला समूहों और गौठान समितियों को 10 करोड़ 90 लाख रूपए की राशि के ऑनलाइन अंतरण कार्यक्रम को सम्बोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री द्वारा जारी की गई राशि में 1 जून से 15 जून तक राज्य के गौठानों में पशुपालक ग्रामीणों, किसानों, भूमिहीनों से क्रय किए गए गोबर के एवज में 2.95 करोड़ रूपए का भुगतान, गौठान समितियों को 4.79 करोड़ और महिला समूहों को 3.16 करोड़ रूपए की लाभांश राशि शामिल है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि गौठानों में जैविक खाद के उत्पादन के साथ महिला स्व सहायता समूहों द्वारा मुर्गी पालन, मछली पालन, मशरूम उत्पादन, सब्जी उत्पादन जैसी अनेक आर्थिक गतिविधियां संचालित की जा रही है। इसके साथ ही साथ लघु वनोपजों में वेल्यू एडिशन का काम भी किया जा रहा है। इसका फायदा हमारी बहनों को हो रहा है। इससे बहनों में जो आत्मविश्वास आया है, वो कीश्रीमती है, उसकी कीमत का आंकलन नही किया जा सकता। गौठानों में इन गतिविधियों को और बढ़ाना है, जिससे हमारे गांव-गांव में रूरल इंडस्ट्रियल पार्क बने और ग्रामीण स्वावलंबी बने और राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के ग्राम स्वराज और स्वावलंबी गांवों का सपना साकार हो। उन्होंने कार्यक्रम में किसानों और ग्रामीणों से आगामी खरीफ फसलों को पशुओं की चराई से बचाने के लिए आयोजित किए जा रहे रोका-छेका अभियान में सहयोग करने का आव्हान किया है। उन्होंने कहा कि इससे खेतों की फसल भी बचेगी और गोधन न्याय योजना से होने वाला लाभ भी बढ़ेगा।

इस अवसर पर गृह मंत्री ताम्रध्वज साहू, कृषि मंत्री रविन्द्र चौबे, नगरीय प्रशासन मंत्री डॉ. शिव कुमार डहरिया, स्कूल शिक्षा मंत्री डॉ. प्रेमसाय सिंह, उच्च शिक्षा मंत्री उमेश पटेल, संसदीय सचिव कुंवर सिंह निषाद, विधायक श्रीमती रश्मि आशीष सिंह, मुख्यमंत्री के सलाहकार प्रदीप शर्मा, अपर मुख्य सचिव सुब्रत साहू, गोधन न्याय योजना के नोडल अधिकारी अयाज फकीर भाई तंबोली, संचालक कृषि यशवंत कुमार, संचालक उद्यानिकी माथेश्वरन, संचालक पशुपालन श्रीमती चंदन संजय त्रिपाठी भी उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि अभी तक गोधन न्याय योजना के तहत 73 लाख 51 हजार क्विंटल गोबर की खरीदी कर चुके है। इसके एवज में कुल 147 करोड़ 06 लाख रुपए का भुगतान किया जा चुका है। गौठान समितियों और स्व सहायता समूहों को अब तक कुल 136 करोड़ 04 लाख रुपए का भुगतान किया जा चुका है। गोधन न्याय योजना से 2 लाख 11 हजार से अधिक ग्रामीण, पशुपालक किसान लाभान्वित हो रहे हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि खेती-किसानी के दिन आ चुका है। नये जोश के साथ किसान तैयारी में जुट गए होंगे। मुझे पूरी उम्मीद है कि इस साल पिछले साल से ज्यादा उत्पादन करेंगे। खेती का रकबा भी इस साल और बढ़ेगा। धान का भरपूर उत्पादन छत्तीसगढ़ में हो रहा है, लेकिन अब आपको दूसरी फसलों के बारे में भी सोचना चाहिए, ताकि आप ज्यादा लाभ अर्जित कर सकें। आज खरीफ की सभी फसलों में राजीव गांधी किसान न्याय योजना के अंतर्गत आदान सहायता की व्यवस्था कर दी गई है। किसान अपने क्षेत्र की जमीन की गुणवत्ता के अनुरूप फसलों का चयन करेंगे तो आपको ज्यादा लाभ होगा।

# किसानों को ऋण देने शिविर का किया जा रहा आयोजन

- समितियों में खाद बीज का भी किया जा रहा पर्याप्त भण्डारण

**कोरबा ।** शासन के द्वारा धान के बदले अन्य फसल लेने वाले कृषकों को कृषि ऋण का सुविधा उपलब्ध कराया जा रहा है। धान के बदले अन्य फसल लेने वाले किसानों को अन्य फसलों हेतु खाद, बीज नगद में एवं कृषि सामग्री हेतु ऋण उपलब्ध कराया जा रहा हैं। किसानों को ऋण उपलब्ध कराने हेतु सहकारी समितियों में 18 जून तक शिविर आयोजित किए जायेंगे। ऐसे सभी किसानों को धान की फसल परिवर्तन करने पर ली जाने वाली अन्य फसलों जैसे कोदो ,उड़द, मूंग, अरहर के बीज समितियों के माध्यम से उपलब्ध कराया जा रहा है। कृषि विभाग के मैंदानी अधिकारियों के द्वारा लगातार

किसानों से संपर्क कर उन्हें फसल परिवर्तन करने एवं अन्य फसलों हेतु कृषि ऋण दिलाने हेतु राजीव गांधी योजना का व्यापक प्रचार प्रसार किया जा रहा है। शासन द्वारा धान के बदले अन्य फसलों को बढ़ावा देने के संबंध में जिले को 21 हजार 229 हेक्ट. का लक्ष्य प्रदाय किया गया है। जिले को प्रदाय लक्ष्य को पूर्ण करने के लिए कृषि विभाग का मैंदानी अमला योजना का व्यापक प्रचार-प्रसार करने में पूरी तरह से जुट गया है। योजना हेतु इच्छुक सभी किसानों से विभाग द्वारा सहमति पत्र भरवाया जा रहा है।

उप संचालक कृषि अनिल शुक्ला ने बताया कि छ.ग. शासन के द्वारा कृषि में पर्याप्त निवेश एवं कास्त लागत में राहत देने कृषि आदान सहायता हेतु राजीव गांधी किसान न्याय योजना लागू की गई है। राजीव गांधी किसान न्याय योजना का संचालन फसल विविधिकरण, फसल क्षेत्राच्छादन, फसल उत्पादन को प्रोत्साहित करने एवं कृषि आदान सहायता हेतु किया जा रहा है। वर्ष 2022-23 में राजीव गांधी किसान न्याय योजनांतर्गत धान के बदले अन्य फसल हेतु जिले में एक हजार 990 किसानों के द्वारा कुल 1004.070 हेक्टेयर रकबे हेतु सहमति दे दी गई है। योजनांतर्गत धान के साथ-साथ कृषि एवं उद्यानिकी के उत्पादक कृषकों को नौ हजार रूपये प्रति एकड़ आदान सहायता राशि एवं ऐसे कृषक जो गत वर्ष धान विक्रय किए गए रकबे में सामान्य धान के स्थान पर सुगंधित धान, फोर्टिफाइड धान, कृषि एवं उद्यानिकी की अन्य फसलें अथवा वृक्षारोपण करता है तो उसे प्रति एकड़ 10 हजार रूपये दी जावेगी। वृक्षारोपण करने वाले कृषकों को लगातार 3 वर्षों तक आदान सहायता के रूप में 10 हजार रूपये प्रति एकड़ प्रदाय किया जाएगा।

समितियों में धान के अलावा अन्य फसलों के बीज एवं खाद भी पर्याप्त मात्रा में समिति में भण्डारित किया जा रहा है। उप संचालक कृषि अनिल शुक्ला ने बताया कि समितियों में अभी तक धान बीज 10 हजार 179 कुंविटल, कोदो 59 कुंविटल, अरहर 84 कुंविटल, उडद 11 क्विंटल एवं मूंग बीज 21 कुंविटल का भण्डारण किया जा चुका है।

# पोषण बाडी अभियान: किसानों को अमरूद, सीताफल, पपीता आदि पौधों का किया जा रहा वितरण

**कोरबा।** शासन के महत्वकांक्षी योजना नरवा गरूवा घुरूवा बाडी के तहत् पोषण बाडी अभियान कार्यक्रम 15 जून 2022 से उद्यानिकी विभाग द्वारा प्रारंभ किया गया है। जिले के ग्राम कुरूडीह, कटकीडबरी, पुटीपखना, गाडापाली एवं पोडी मे 400 किसानो को स्थानिय जनप्रतिनिधियो के समक्ष बाडी हेतु फल पौध का वितरण किया गया। इस दौरान किसानों को अमरूद, सीताफल, पपीता, कटहल, जामुन एवं सब्जी मे सेम, बरबट्टी, कुन्दरू, मुनगा आदि वितरण किया गया। इस वर्ष 4000 बाडियो मे सब्जी बीज एवं फल प्रदाय करने हेतु लक्ष्य है।

सहायक संचालक उद्यानिकी ने बताया कि योजना अंतर्गत वर्ष भर मे खरीफ, रबी, जायद हेतु एक हजार रूपये का आदान सामाग्री, सब्जी बीज एवं फल पौध प्रदान करने हेतु प्रावधानित है। किसान अपने नजदीकी नर्सरी मे संपर्क कर आदान सामाग्री प्राप्त कर सकते है। किसान शासकीय उद्यानिकी रोपणी पताढी, पठियापाली, पण्डरीपानी, नगोई एवं पोडीलाफा केन्द्र में संपर्क करके आदान सामग्री प्राप्त कर सकते है।

# कोरबा जिले के घाटो से अवैध रेत उत्खनन

**कोरबा ।** नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल के निर्देशानुसार कोरबा जिले के रेत घाटो से गौण खनिज रेत के उत्खनन परिवहन पर जिला प्रशासन द्वारा रोक लगा दी गई है। लेकिन बावजूद उसके रेत माफियाओं द्वारा प्रशासन के आदेश को ठेगा दिखा कर जिले के नदी एवं नालों से न केवल उत्खनन किया जा रहा है। बल्कि इसका परिवहन धंडल्ले से हो रहा है। अवैध उत्खनन व परिवहन करने वाले माफियाओं के हौसले बुलद है। सूत्रों के दावे को यदि सही माना जाए तो रेत का सर्वाधिक अवैध उत्खनन का कारोबार बरमपुर क्षेत्र में हो रहा है। जहां माफियाओं द्वारा बिना भय के पूरे रात भर रेत

का खनन किया जाता है। और इसे भण्डारन की पर्ची दिखाकर तीन हजार रूपये से लेकर 35 सौ रूपये प्रति ट्रेक्टर खपाया जा रहा है। भण्डारण की एक ही पर्ची को बार बार दिखाकर इसकी आड़ में रेत के कई फेरे परिवहन कर रहे है। जिससे शासन को राजस्व हानि हो रही है। वहीं अधिकारियों के आंखो में धूल झोकनें का काम भी हो रहा है।

# राहुल के रेस्क्यू में बालको का सराहनीय योगदान

**कोरबा।** बोरवेल में फंसे 10 वर्षीय राहुल साहू को 105 घंटे चले रेस्क्यू ऑपरेशन के बाद सुरक्षित बाहर निकाला गया। जांजगीर.चांपा जिले के मालखरौदा विकासखंड के अंतर्गत ग्राम पिहरीद में शुक्रवार 10 जून दोपहर 2 बजे बोरवेल में गिरे राहुल को बचाने हेतु 14 जून की देर रात 12 बजे तक बचाव कार्य चला। भारत एल्यूमिनियम कंपनी लिमिटेड बालको मनीष जैन के नेतृत्व में 19 सदस्यीय रेस्क्यू टीम ने स्थानीय प्रशासन और एनडीआरएफ की हर संभव मदद की। बचाव स्थल पर आवश्यक उपकरण जैसे

पीपीईज, वेंटिलेशन पाइप, रोशनी युक्त हेलमेट, रेस्क्यू हारनेस, फायर ब्रिगेड और जीवनरक्षक सामान मुहैया कराने में बालको टीम ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। बालको ने संयुक्त रूप से ऐतिहासिक कार्य कर अपनी कर्तव्यनिष्ठा का परिचय दिया। जिला प्रशासन ने बालको के इस सराहनीय कदम की प्रशंसा की। सफल रेस्क्यू पर बालको के मुख्य कार्यकारी अधिकारी एवं निदेशक अभिजीत पति ने रेस्क्यू टीम की प्रशंसा करते हुए कहा कि बालको बचाव दल ने स्थानीय प्रशासन के साथ मिलकर बचाव कार्य में हर संभव योगदान दिया। उन्होंने राहुल के शीघ्र स्वस्थ्य होने की कामना की। पति ने कहा कि बालको किसी भी चुनौतिपूर्ण परिस्थिती से निपटने हेतु जिला प्रशासन के सहयोग के लिए कटिबद्ध है।

# एनटीपीसी कोरबा के बालिका सशक्तिकरण अभियान से निखर रही बच्चियों की प्रतिभा

**कोरबा।** एनटीपीसी कोरबा द्वारा श्बालिका सशक्तिकरण अभियानश् बालिकाओं के शिक्षाए स्वास्थ्यए पोषण एवं सशक्तिकरण हेतु एक महत्वपूर्ण अभियान है। इसका आयोजन एनटीपीसी कोरबाके नैगम सामाजिक दायित्व के अंतर्गत दिनांक 18 मई 2022 से 16 जून 2022 तक किया जा रहा है।

ग्रामीण पृष्टभूमि के बच्चों के लिए यह एक महत्वपूर्ण अनुभव है। हम व्यक्तिगत स्वच्छताए अनुशासन और कला के बारे में बहुत कुछ सीख रहे हैं। कक्षाओं

में न केवल शैक्षिक अपितु योग, कला, नृत्य जैसे कौशल सिखाये जा रहें है। हमारे शिक्षक एवं एनटीपीसी कोरबा के सभी स्टाफ हमें प्रेम एवं स्नेह दे कर हमारा खयाल रख रहें है। संगीत और कंप्यूटर की कार्यशाला मुझे अत्यंत रोचक लगी। ये कहना है सुश्री यमिनी डनसेना का जो कीए शासकीय प्राथमिक शाला अयोध्यापुरी की छात्रा है। यह नन्हीं बालिकाएं, एनटीपीसी के द्वारा आयोजित बालिका सशक्तिकरण अभियान के तहत सभी क्षेत्रों में अपनी छीपी प्रतिभाओं की वृद्धि के लिए कार्यशालाओं में बढ़ चढ़ कर हिस्सा ले रहीं हैं एवं एनटीपीसी के इस आयोजन के उद्देश्य को सार्थक कर रहीं हैं। मैं बड़े हो कर आईएएस अधिकारी बनना चाहती हूँ। एनटीपीसी कोरबा के कार्यशाला में मैं जो प्रशिक्षण ले रहीं हूं, उससे मुझे अपने सपनों को हासिल करने का आत्म विश्वास मिला है. ऐसा कहना है एनटीपीसी कोरबा के बालिका सशक्तिकरण अभियान में भाग ले रही सुश्री हेमा विश्वकर्म जो की शासकीय प्राथमिक शाला दर्रिखार की छात्रा हैं बड़े हो कर आईएएस बन देश की सेवा करना चाहती हैं। ऐसे सपनों को साकार करने में अपना योगदान देने के उद्देश्य से एनटीपीसी द्वारा ये अभियान शुरू किया गया है। इस अभियान का उद्देश्य बालिकाओं की प्रतिभा और कौशल का विस्तार करना एवं निखारना है।

SJU - Contact No. +91 9301915303 E-mail ID- sjunion29@gmail.com
Social Justice Union
Registered with Govt. No. 5526
Join SJU
अधिकार से न्याय तक

आवश्यकता
इस संघ का गठनसम्पूर्ण छत्तीसगढ़ में पीड़ितो को न्याय दिलाने के लिए किया गया है, जिसे छत्तीसगढ़ शासन से मान्यता प्राप्त है, जिसका क्रमांक 5526 है, तथा सम्पर्क हेतु नं0 9301915303 है। इस संघ के गठन पर संघ के संरक्षक एवं लीगल एडवाईज़र श्री तथागत श्रीवास्तव (अधिवक्ता, माननीय उच्च-न्यायालय), एवं गवर्निंग बोर्ड के सदस्यों कु0 सी.बी.वर्मा, श्रीमती ऐकता श्रीवास्तव, श्रीमती रजनी सकुन्डे एवं अन्य ने शासन को धन्यवाद ज्ञापित किया, और कल कि संघ के पास सामाजिक अन्याय अथवा मानवाधिकार हनन सम्बंधी तथ्य के प्रस्तुत होने पर, उसे लिखित में शासन एवं प्रशासन में विभिन्न महत्वपूर्ण पदों पर आसीन एवं सक्षम व्यक्तियों के समक्ष संघ की ओर से प्रस्तुत किया जावेगा। साथ ही, विधि, न्याय सम्बंधी कार्य हाथ में लेकर बेसहारा, गरीब, परित्यक्ता, विधवाओं के उत्थान के लिए कार्य किया जावेगा।

उद्देश्य एवं नियुक्तियां
मुख्य रूप से संघ का उद्देश्य छत्तीसगढ़ प्रदेश के समस्त जिलों एवं ब्लॉक स्तर में सामाजिक न्याय हेतु प्रचार-प्रसार करना, तथा मानवाधिकार हेतु जागरूकता फैला करना है। संघ साक्षरता एवं अनौपचारिक शिक्षा के माध्यम से मानवाधिकार के सम्बंध में प्रचार प्रसार करना चाहता है। इस हेतु प्रदेश के समस्त जिलों एवं ब्लॉक स्तर पर सामाजिक न्याय एवं मानवाधिकार संरक्षण केन्द्र की स्थापना की जावेगी, और उनमें संघ के द्वारा आधिकारिक नियुक्तियाँ की जावेंगी। प्रत्येक व्यक्ति इस संघ में सदस्य बन सकता है, जिसके लिए संघ के द्वारा निर्धारित नियम एवं शर्तों का पालन किया जाना अनिवार्य है। इस हेतु सदस्यता फार्म संघ के प्रधान कार्यालय में उपलब्ध है।

मुख्य बिन्दु
प्रताड़ित एवं पीड़ित व्यक्ति की समस्याओं को सुनना, आवेदन लेना तथा पीड़ित को न्याय दिलाने के लिए उचित साधन एवं संसाधनों की जरूरत के अनुसार व्यवस्था करना मूल रूप से इस संघ का कार्य है। पीड़ित व्यक्तियों को न्यायिक, गैर-न्यायिक एवं सामाजिक समस्या पर विधिनुसार एवं संविधान के अनुसार आवश्यक मदद की जावेगी।

पीड़ित संपर्क करें
संघ विशेष रूप से मानवाधिकार दिलाने एवं सामाजिक न्याय प्राप्ति हेतु पीड़ित मानव की हर संभव मदद करेगा तथा इस हेतु पीड़ित मानव के लिए भारतीय संविधान के तहत् विधिक सहायता की व्यवस्था आवश्यकतानुसार करेगा। यदि कोई पीड़ित है तो इस संघ से सम्पर्क कर सकता है।

अन्य बिन्दु
- संघ पर्यावरण संरक्षण एवं पर्यावरण सम्बंधी चेतना हेतु भी जागरूकता लाने का प्रयास करेगा।
- पूरे छत्तीसगढ़ प्रदेश में महिलाओं के अधिकार, श्रमिकों के अधिकार, आदिवासियों के अधिकार, अनुसूचित जाति-जनजातियों के अधिकारों के सम्बंध में विधिक एवं संवैधानिक रीति के कार्यक्रमों को इस संघ द्वारा संचालित किया जावेगा तथा प्रत्येक पीड़ित को उसके कर्तव्यों एवं अधिकारों के बारे में सचेत किया जावेगा। न्याय प्राप्ति हेतु हर संभव मदद की जावेगी।
- संघ शासन से मान्यता प्राप्त है, अतः शासन एवं प्रशासन में विभिन्न पदों पर आसीन तक पीड़ित की परेशानी को आसानी से पहुँचाया जा सकता है। इस हेतु संघ शासन एवं प्रशासन में विभिन्न महत्वपूर्ण पदों पर आसीन व्यक्तियों से मुलाकात कर पीड़ित को न्याय दिलाने में समस्त सहायता भी करेगा।
- संघ द्वारा संवैधानिक शिक्षा एवं सामाजिक विकास से सम्बंधित रिसर्च कार्यक्रम किए जावेंगे, एवं समान उद्देश्यों वाली अंतर्राष्ट्रीय, राष्ट्रीय, सरकारी तथा गैरसरकारी संस्थाओं के साथ मिलकर काम किया जावेगा।
- संघ सामाजिक कुरीतियों को दूर करने के लिए कार्यशाला का आयोजन भी करेगा। संघ देश के भूले बिसरे पर महान विभूतियों के सम्मान में कार्यक्रम भी आयोजित करायेगा।

पढ़िए .... न्यायसाक्षी समाचार-पत्र
:: Address :: Behind Stadium Near Career School, Raigarh, C.G. Pin 496001

www.nyaysakshi.com

सभी से अपील की गई है कि ज्यादा से ज्यादा संख्या में संघ से जुड़कर साथ का साथ दिया जावे ताकि प्रत्येक पीड़ित मानव को न्याय मिल सके एवं एक अच्छे समाज का निर्माण हो सके।
Join SJU Join SJU Join SJU Join SJU Join SJU

# खुले हुए बोरवेल्स को तत्काल करें बंद: कलेक्टर रानू साहू

- खुले में चराई रोकने इस भी चलेगा रोका-छेका अभियान

**कोरबा।** कलेक्टर रानू साहू ने शहरी और ग्रामीण इलाकों में खुले हुए तथा अनुपयोगी बोरवेल्स को तत्काल बंद करने के निर्देश दिये है। आज आयोजित समय-सीमा की समीक्षा बैठक में कलेक्टर साहू ने खुले हुए बोरवेल्स के कारण किसी अनहोनी या दुर्घटना होने की संभावना को रोकने के लिए ऐसे बोरवेल्स को बंद करने के निर्देश अधिकारियों को दिये है। कलेक्टर साहू ने जिले में गांववार सर्वे कर खुले बोरवेल्स का पता लगाने तथा उन्हे बंद करने के निर्देश सभी निर्माण एजेंसियों, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग एवं जनपद पंचायतो के मुख्य कार्यपालन अधिकारियों को दिये है। साथ ही इसकी नियमित समीक्षा करने और पालन प्रतिवेदन से अवगत कराने के भी निर्देश दिये है। समय सीमा की समीक्षा बैठक में कलेक्टर ने महिला समूहों द्वारा निर्मित स्थानीय उत्पादो को बढावा देने तथा महिला समूहों को आर्थिक रूप से स्वावलंबी बनाने कोरबा शहर में स्थापित किये जा रहे सी-मार्ट के बारे में भी जानकारी ली। उन्होने सी-मार्ट में उपलब्ध होने वाले उत्पादों की लिस्ट तथा उत्पादों की मूल्य आदि के बारे में जानकारी ली। कलेक्टर ने सी-मार्ट में प्रोडक्ट उपलब्ध कराने वाले वेंडर आदि की जानकारी लेकर समय सीमा में सी-मार्ट के कार्यो को पूर्ण करने के निर्देश दिये। कलेक्टर साहू ने जिले के दो गौठानों में विकसित किये जा रहे रूरल इंडस्ट्रीयल पार्क के कार्यो की प्रगति के बारे में भी जानकारी ली। उन्होने रिपा क्षेत्र में विकसित किये जा रहे शेड निर्माण, मशीनों की स्थापना, बिजली आपूर्ति तथा आर्थिक गतिविधियों के लिए जरूरी संसाधनों के स्थापना के बारे में भी जानकारी ली। कलेक्टर ने रिपा क्षेत्र को तेजी से पूरा करते हुए स्थानीय महिलाओं को आर्थिक गतिविधियों से जोडकर स्वरोजगार के साधन मुहैया कराने के निर्देश दिये। समय-सीमा की साप्ताहिक समीक्षा बैठक में पुलिस अधीक्षक भोजराम पटेल, डी.एफ.ओ. कोरबा प्रियंका पाण्डेय, डीएफओ कटघोरा प्रेमलता यादव, जिला पंचायत के सी.ई.ओ. नूतन कंवर, प्रभारी एडीएम विजेन्द्र पाटले, नगर निगम आयुक्त प्रभाकर पाण्डेय सहित सभी विभागीय अधिकारीगण मौजूद रहे। समय सीमा की समीक्षा बैठक में कलेक्टर साहू ने कोविड टीकाकरण से छूटे हुए लोगों को कोविड वैक्सीनेशन करने के लिए फिर से वैक्सिनेशन महाअभियान चलाने के निर्देश दिये। उन्होने दूसरा डोज लगाने से छुटे हुए लोगों की लिस्टींग करके वैक्सिनेशन ड्राइव के लिए आवश्यक कार्ययोजना बनाने के निर्देश सीएमएचओ डॉ. बी.बी. बोडे को दिये। कलेक्टर ने विकासखण्ड चिकित्सा अधिकारियों तथा स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी-कर्मचारी की बैठक लेकर वैक्सीनेशन ड्राइव की रूपरेखा तैयार करने के निर्देश दिये।